>

Title: Incidence of malnourishment in the country.

कुमारी मीनाक्षी नटराजन (मंदसौर): महोदय, मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि देश में जो लगातार कुपोषण के मामले सामने आए हैं और खासतौर पर हमारे देश के नन्हे-मुन्ने बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। पूरी दुनिया में जो पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु होती है, उनमें करीब 22 फीसदी हमारे देश में होती है और ग्लोबली जो नियो-नेटल डेथ होती हैं, उनमें से 30 फीसदी हमारे देश में होती हैं। खासतौर से मैं जिस राज्य से आती हूं, मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा कुपोषण के मामले, 55 फीसदी मामले सामने आए हैं और खास तौर पर आठ आदिवासी बाहुल्य जिलों में सबसे ज्यादा बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। अगर इस पर ठीक ढंग से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में हम अपने देश के भविष्य का निर्माण किस तरह कर पाएंगे। मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहती हूं कि आवश्यकता इस बात की है कि केन्द्र सरकार इस मामले को गंभीरता से संज्ञान में ले और राज्य सरकारों के साथ बैठकर इस विषय पर गंभीरता से कदम उठाए, फिर इस पर जो अध्ययन कराए, उसके बाद उसका क्रियान्वयन भी हो। मुझे उम्मीद है कि नेशनल एडवाइजरी काउंसिल ने भी इस पर काफी सुझाव दिए हैं, उस पर क्रियान्वयन की जब बारी आएगी, तब केन्द्र की सरकार गंभीरता का रुख अपनाएगी और राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस पर आवश्यक कदम उठाएगी।

MR. CHAIRMAN :

Shrimati Annu Tandon,

Dr. Jyoti Mirdha and

Shrimati Botcha Jhansi Lakshmi are allowed to associate with the issue raised by Kumari Meenakshi Natrajan about malnutrition among children.